RAN-2301001201030531

RAN-2301001201030531

F.Y.B.A. (NCP-NEP) (Sem.-I) Examination November - 2025

Hindi : Kavya 'Sanjivani' Sohanlal Dwivedi (Minor-I) (Paper-I)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

सूचना : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र.1. निम्न में से किन्ही पांच प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दिजिए: **10**

1. कवी सोहनलाल जी का जन्म कब हुआ था?
2. 'संजीवनी' का अर्थ क्या होता है?
3. 'संजीवनी' खण्डकाव्य की नायिका कौन है?
4. मदिरापान किसका शौक था?
5. कच किसकी कृपा से पुनर्जीवित होता है?
6. देवयानी किसको अभिशाप देती है?
7. देवयानी पाणिग्रहण का प्रस्ताव किसके सामने रखती है?

प्र.2. कवि सोहनलाल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। **13**

अथवा

प्र.2. खंडकाव्य का स्वरुप स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों की चर्चा कीजिए। **13**

प्र.3. काव्य-स्वरुप की दृष्टि से 'संजीवनी' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। **13**

अथवा

प्र.3. कच की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

प्र.4. अ. टिप्पणी लिखिए: **07**

(1) शुक्राचार्य।

अथवा

(1) 'संजीवनी' में प्रकृति-चित्रण।

प्र.4. ब. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: **07**

(1) मानव से ऊपर श्रेष्ठ न कुछ भूतल पर,
नश्वर तन में बैठा है चिर अविनश्वर।
उस कालजयी संकल्प व्रती की जय हो,
संजीवनी सिंचित संसृति सतत अभय हो।''

अथवा

(1) ''कच यहीं, देवयानी भी, गुरु का आश्रम,
तप यहीं, जप यहीं, सिद्धि-साधना का क्रम।
कच ब्रह्मचर्य संकल्प-शक्ति का बल है,
कामना देवयानी का मन दुर्बल हैं।''